Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 22-03-2005
Participants : Badnore Shri Vijayendra Pal Singh,Scindia Shri Jyotiraditya Madhavrao,Bhargav Shri Girdhari Lal

>

Title: Need to have a separate Union Ministry of Forests and Wild life.

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से एक ऐसे विाय को सदन में उठाना चाहता हूं जो हमारे राट्रीय गौरव के प्रतीक के साथ जुड़ा हुआ है। आज देशभर में बाघों की निन्दाजनक हत्या की जा रही है। हमारे जंगल सुनसान हो चुके हैं। आज पूरे देश में बाघ की गर्जना सुनाई नहीं दे रही है। मृत बाघ जीवित बाघ से ज्यादा दाम का बिकता है। हिन्दुस्तान टाइम्स पेपर की रिपोर्ट के अनुसार यह विदित है कि शिकारी आज शिकार बन चुका है। आज बाघ का चमड़ा 50 हजार रुपये में बेचा 33जाता है, दांत 5 हजार रुपये में, उसका नाखून 450 रुपये में और उसकी हड्डी 18 हजार रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेची जाती cè[RB13] ।यह क्यों? क्योंकि बाघ के विाय में कोई लॉबी नहीं है, बाघ के विाय में कोई इंटरेस्टिड ग्रुप नहीं है, इस कारण आज बाघों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: No cross talk please.

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया : आज वन्य जीवों का गैरकानूनी व्यापार 12 बिलियन डालर का बन चुका है। अंतर्राट्रीय जगत में मृत बाघ का दाम तीन लाख रुपये हो चुका है और एक बाघ को मारने के लिए केवल 40 रुपये खर्च होते हैं। मैं बताना चाहता हूं कि आज जो बाघ को मारते हुए वन में पकड़ा जाता है, उसे केवल एक से छः साल की सजा मिलती है और जो वन के बाहर पकड़ा जाता है, उस पर केवल 3 साल की सजा या 25 हजार रुपये का फाइन होता है। सौ साल पूर्व हमारे देश में चालीस हजार बाघ होते थे। लेकिन आज हमारे देश में केवल तीन हजार बाघ बाकी हैं। इंदिरा जी ने इस स्थिति को देखकर वर्ा 1972 में एनवॉयरनमैन्ट प्रोटैक्शन एक्ट तथा फॉरेस्ट एक्ट लागू किया था। इसके अलावा टाईगर प्रोजैक्ट की शुरूआत भी की थी। राजीव जी चाहते थे कि वन्य जीवों और जंगलात के लिए अलग से मंत्रालय बने। आज चाहे आप रणथम्भौर देख लीजिए, सरिस्का देख लीजिए। कहीं पर भी हमें बाघ दिखाई नहीं देंगे, उन्हें मौत की नींद सुला दिया गया है। पूरे देश में चाहे इंद्रा वती हो, दुधवा हो, कान्हा हो, बांधवगढ़ हो, कहीं बाघ दिखाई नहीं देते। बांधवगढ़ में छः बाघ मारे गये। पन्ना में, पैंट में, सतपुड़ा में पूरे देश में यहीं हालत है। मैं अनुरोध करूंगा कि प्रधान मंत्री जी ने इस बारे में जो नीति बनाई है, एक बोर्ड सैट अप किया है तथा सी.बी.आई. इंक्वायरी सैट अप की है। इसके अलावा नेशनल वाइल्ड लाइफ क्राइम प्रिवैन्शन और कंट्रोल ब्यूरो बनाया गया है। मैं अनुरोध करता हूं कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हम सबको एक साथ इस गंभीर विाय पर अपना ध्यान आकर्ति करना होगा और केवल ध्यान ही आकर्ति नहीं करना होगा, बल्कि इस बारे में कार्य भी करना होगा। यदि हमारे देश में हमारा राट्रीय जानवर ही जीवित नहीं रहेगा तो इससे ज्यादा शर्मनाक बात हमारे देश के लिए कुछ नहीं हो सकती। मैं चाहता हूं कि वन्य जीवों और जंगलात के लिए जल्द से जल्द अलग से मंत्रालय बने तथा राट्रीय उद्यानों को केन्द्र सरकार अपने हाथ में ले।

आखिर में मैं कहना चाहता हूं कि जो लोग बाघों का शिकार करते हुए पकड़े जाते हैं, उन्हें कानूनी रूप से सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: What is happening? I do not understand why suddenly you have become so talkative sitting. You must appreciate the young and energetic Member raising this very important issue.

SHRI VIJAYENDRA PAL SINGH (BHILWARA): Sir, I associate myself with the issue.

MR. SPEAKER: Okay. The entire House associates.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shrimati Jayaben Thakkar.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: As you know, nothing is being recorded except the hon. Member whose name is called.

(Interruptions) ...*

---

* Not Recorded.

MR. SPEAKER: I deeply appreciate the experience of the hon. Member, but under a little control please.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Girdhari Lal Bhargava, you may associate yourself with whatever he said.

… (*Interruptions*)

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : महोदय, राजस्थान में जो रणथम्भौर में बाघ परियोजना है, वहां बहुत से मंदिर हैं।…(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया : महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि यह मामला केवल राज्यों तक सीमित नहीं है। इसमें राजनीति बीच में नहीं लानी चाहिए।

MR. SPEAKER: Nothing is being recorded any longer.

(Interruptions) ...*

अध्यक्ष महोदय : इसमें राजनीति नहीं है।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing is being recorded. Shri Scindia, please sit down. I am on 9my legs.

(Interruptions) ...*

MR. SPEAKER: You are a cooperative Member. I have said you will associate on that.

---

* Not Recorded.

श्री गिरधारी लाल भार्गव : सर, रणथम्भौर बाघ परियोजना में से राट्रीय राजमार्ग होकर जाता है। वहां बहुत से गांव है, जहां के लोग शिकार करते हैं। वहां पानी का अभाव है। वहां सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं cè[R14]।

MR. SPEAKER: Nothing is being recorded.

(Interruptions) ...*

MR. SPEAKER: Be brief and cooperate and I will allow as many Members as possible.

… (*Interruptions*)